MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the Special Mention raised by the hon. Member, Dr. Bhagwat Karad: Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra) and Dr. Sasmit Patra (Odisha).

माननीय श्री संजय सिंह।

Concern over abuse of elders

श्री संजय सिंह (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली): मान्यवर, देश में बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार और उन्हें अकेला छोड़ देने के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। जिसके चलते बुजुर्गों को वृद्ध आश्रम में रहने हेतु मजबूर होना पड़ रहा है। वृद्ध व्यक्ति समाज के लिए संपत्ति की तरह होते हैं। हमारी भारतीय संस्कृति में बुजुर्गों को बरगद की छांव का दर्जा दिया जाता है, लेकिन उसी समाज की एक कड़वी सच्चाई यह भी है कि वृद्ध लोगों के साथ दुर्व्यवहार एक गंभीर समस्या बन चुकी है। पिछले कुछ साल पहले दिल्ली के एक गैर-सरकारी संगठन 'एजवेल फाउंडेशन' ने देश के 20 राज्यों के 10 हजार बुजुर्गों पर एक सर्वेक्षण किया था। इसकी रिपोर्ट डराने वाली थी। रिपोर्ट के मुताबिक लगभग 23 फीसदी, यानी देश का हर चौथा बुजुर्ग देश में अकेला रहने को मजबूर है। यह बुराई केवल शहरों तक ही सीमित नहीं, बल्कि रिपोर्ट कहती है कि लगभग 21 फीसदी बुजुर्ग गांवों में, जबकि 25 फीसदी बुजुर्ग शहरों में अकेले रह रहे हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र भी जागरूकता के जरिए इसे रोकने के लिए प्रयासरत है। देश में बुजुर्ग मां-बाप या वरिष्ठ नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार को रोकना हम सबकी सामाजिक जिम्मेदारी है।

महोदय, बुजुर्गों की यह स्थिति देखते हुए मैं सरकार से यह मांग करता हूँ कि बुजुर्गों और माता-पिता को छोड़ने और उनके साथ मारपीट से बचाव हेतु एक सकारात्मक प्रावधान लाया जाए और बुजुर्गों के सामाजिक और आर्थिक हित को सुनिश्चित किया जाए।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the Special Mention raised by the hon. Member, Shri Sanjay Singh: Shrimati Sulata Deo (Odisha), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri A. A. Rahim (Kerala), Shri Sandosh Kumar P (Kerala), Shri Haris Beeran (Kerala), Dr. John Brittas (Kerala), Dr. V. Sivadasan (Kerala), Shri Sant Balbir Singh (Punjab), Shri P. Wilson (Tamil Nadu), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu) and Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu).

Demand for making tourism management simple and effective by using technology

श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक (उत्तर प्रदेश): महोदय, भारत जैसे विशाल और विविधता से भरपूर देश में प्रौद्योगिकी से पर्यटन का प्रबंधन सरल और प्रभावी बनाया जा सकता है। रियल टाइम डेटा

एनालिटिक्स के माध्यम से विभिन्न पर्यटन स्थलों पर भीड़ का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है और भीड़ को नियंत्रित करने के उपाय किए जा सकते हैं। मान्यवर, मोबाइल एप्स और वेबसाइट्स से पर्यटकों को वर्तमान स्थिति के बारे में सूचित करके उनकी यात्रा की योजना बेहतर बनाई जा सकती है। डिजिटल टिकटिंग सिस्टम और ऑनलाइन बुकिंग प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से पर्यटन स्थलों पर लंबी कतारों को कम किया जा सकता है। क्यू आर कोड स्कैनिंग और ई-टिकट्स का उपयोग करके प्रवेश प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया जा सकता है, जिससे पर्यटकों का समय बचेगा और उनका अनुभव सुखद रहेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग का उपयोग करके पर्यटन स्थलों की सुरक्षा बढ़ाई जा सकती है। निगरानी कैमरों और सेंसरों के माध्यम से संदिग्ध गतिविधियों की पहचान की जा सकती है और तुरंत कार्रवाई भी की जा सकती है। अंततः सोशल मीडिया और डिजिटल मार्केटिंग का उपयोग करके विभिन्न पर्यटन स्थलों को वैश्विक स्तर पर प्रमोट किया जा सकता है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होती है।

अतः मैं माननीय पर्यटन मंत्री जी से अनुरोध करती हूँ कि वे इस तरह की कोई व्यवस्था क्रियान्वित करें, जिससे पर्यटकों को सुगमता हो सके और पर्यटन स्थलों को भी पॉपुलेशन प्रेशर से मुक्त किया जा सके। महोदय, वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने की मोदी जी की गारंटी में पर्यटन की अहम भूमिका होगी, धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shrimati Sumitra Balmik: Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri P. Wilson (Tamil Nadu), Shrimati Sulata Dev (Odisha), Shri Abdul Wahab (Kerala) and Shri Dhanjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra).

[**उपसभाध्यक्ष** (**श्रीमती एस. फान्गनॉन कोन्याक**) *पीठासीन हुईं।*]

Demand for reservation of seats for Limboo and Tamang Scheduled Tribe Communities in the Sikkim Legislative Assembly

SHRI DORJEE TSHERING LEPCHA (Sikkim): Sir, Limboo and Tamang Communities were included in the list of Scheduled Tribes in the year 2003. These communities are constitutionally entitled to reservation in the Sikkim Legislative Assembly in terms of Article 332 read with Article 371F (f) of the Constitution. In the past the Government of Sikkim had taken several steps to get reservation of Limboo and Tamang communities in the Assembly and resolutions were also passed by the Assembly for the purpose.